12.21hrs.

Title: Regarding reported appointment of Ambassador-at-large in U.S.A. to look after the interests of the NRIs.

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, I wish to raise a matter of very serious import for the country as a whole because this is for the first time that a functionary of a political party and of a fundamentalist organisation has been appointed as an Ambassador-at-large in the United States of America to look after the interests of the NRIs.â€¦(*Interruptions*) One gentleman by name Shri Agnihotri, who is close to the ruling party, the BJP and the RSS, has been appointed to oversee, supervise or look after the interests of the NRIs in the USA. He will be known as the Ambassador of the Government of India in the USA. What will be his relationship with our Ambassador who is already there? What will be the role of his there? The House is not told about this appointment. I would like to know on what consideration, what basis this appointment has been made. What is the justification for such an appointment? This is the grossest misuse of power in a matter concerning our foreign relations. These types of openly partisan appointments are being made. I think this is a very serious matter. The Government must immediately explain the position. It should not give effect to this appointment. Nobody is now told about this. The House is not told of an extraordinary situation that is being created by this Government. We have also raised it. But the Government is totally oblivious of and totally unconcerned about what is happening inside the Parliament. No notice is being taken of any opinion that is expressed here. What is the justification for this appointment? How was this gentleman selected to represent our country? What are the qualifications of this gentleman? What will be his duties?

So, I call upon the Government to immediately stop giving effect to this partisan and purported appointment. It is totally an unauthorised and improper appointment. The Government should explain the matter to the House immediately why this totally illegal step was taken....(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA(BANKURA) : What is the response of the Government?...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : उपाध्यक्ष जी, मैं सोमनाथ चटर्जी जी से सहमत हूं और सभी जानते हैं कि ऐसे व्यक्ति को, और ऐसे अवसर पर, इतने बड़े देश में नियुक्त किया गया है जबकि विदेश नीति के बारे में बहुत सारी बातें खड़ी हैं। हिन्दुस्तान, जो आज कुछ भी कहिए, कूटनीति में असफल होता चला जा रहा है, कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसका सबको भरोसा हो, विश्वास हो लेकिन आज मैं सदन के अंदर यह जरूर कहना चाहता हूं कि इस तरह से जो पारदर्शिता बंद करो, यह कहना और यह कहो कि संघ परिवार को सब जगह नियुक्त करेंगे, प्राइमरी स्कूल से लेकर सब जगह और राजदूत से लेकर गवर्नर तक और जहां कर सकते हैं, करो और हम लोगों को विश्वास में न लें; लेकिन कम से कम जहां देश का सवाल हो, और जहां देश के सवाल को लेकर पूरा देश खड़ा हो और कोई भारतीय जनता पार्टी के साथ नहीं है, चाहे कारगिल युद्ध से लेकर कोई सवाल खड़ा हो, पूरा देश का सवाल हो, वहां न कोई जाति और न कोई धर्म की बात है, ऐसे अवसर पर तो कम से कम हमें लोगों की भावनाओं का भी आदर करना चाहिए। ऐसे व्यक्ति को जिस पर पूरा भरोसा नहीं है, जान-पहचान नहीं है, कोई अनुभव नहीं है और आज भले ही आप सत्ता में बैठे हों, ऐसी विचारधारा से कम से कम 70 फीसदी से ज्यादा लोग अविश्वास करते हैं, उस विचारधारा के व्यक्ति की अगर अमरीका में नियुक्ति की जाएगी और वह सरकार का पक्ष रखेगा, तो मैं समझता हूं कि कभी नहीं रख सकता। अब मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि आपकी क्या मजबूरी है? आपको कौन मजबूर कर रहा है, यह बात सदन के सामने स्पट होनी चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, हम ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति के खिलाफ है और हम जानते हैं कि यह देश के हित में नहीं है। दुनिया के देशों में हमारे स्वाभिमान, सम्मान और हमारी कूटनीति तथा विकास के मामले में देश को आगे बढ़ायें। हमारी सीमा की सुरक्षा को लेकर, हमारी आन्तरिक एकता और अखण्डता को खतरा है। इसलिए ऐसे मौके पर भावनाओं को कुठाराघात मत पहुंचाइए। उस व्यक्ति को वापिस बुलाइए और दूसरे ऐसे व्यक्ति को नियुक्त कीजिए, जिसमें हमारे देश के लोगों को विश्वास हो। इस व्यक्ति की नियुक्ति पर तो आज से ही प्रश्नचिह्न लगा हुआ है। मैं समझता हूं कि यह सदन में पहला मौका होगा, जब ऐसे व्यक्ति कि नियुक्ति पर सवाल उठाना पड़ा है। इसलिए हम चाहते हैं कि आप ऐसे व्यक्ति को वापिस बुलाइए और तत्काल वापिस बुलाकर, दूसरे व्यक्ति को नियुक्त कीजिए।

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सोमनाथ चटर्जी ने सवाल उठाया है और वह सवाल यह है कि अमरीका जैसे देश में एक व्यक्ति की नियुक्ति, जिसके बारे में देश को मालूम नहीं, सदन को मालूम नहीं और उन परिस्थितियों को मालूम नहीं, जहां पर पहले से ही एक दक्ष और कुशल राजदूत हैं, जो कुछ दिनों पहले हमारे विदेश सचिव रह चुके हैं, उनके रहते हुए, एक राजदूत नियुक्त करने की क्या जरूरत थी। मैं उस व्यक्ति के बारे में नहीं जानता हूं, लेकिन जो चर्चा अखबारों में निकली है, उससे मन में सन्देह और शंका पैदा होती है। मैं ऐसा समझता हूं, जैसा सोमनाथ जी और मुलायम सिंह जी ने कहा, विदेश नीति के बारे में ऐसे कदम नहीं उठाने चाहिए, जिससे यहां लोगों के मन में दुविधा और शंका पैदा हो कि सरकार ने ऐसा कदम क्यों उठाया। अगर विशेा परिस्थिति थी, उस व्यक्ति में कोई विशेा कुशलता थी, ज्ञान था, दक्षता थी, तो उसको केवल सदन के सामने ही नहीं देश के सामने रखना चाहिए था। लेकिन कहा जाता है कि वे संस्था विशेा के संचालक थे और इस कारण उनको नियुक्त किया गया। मेरा किसी संस्था से द्वेा नहीं है, लेकिन विदेश नीति में इस तरह का कदम हमेशा खतरनाक साबित हो सकता है। मैं मुलायम सिंह जी से निवेदन करूं, ऐसी नियुक्ति पहली बार नहीं हुई है। एक बार हमारे दूसरे प्रधान मंत्री जी द्वारा इसी तरह के व्यक्ति को नियुक्त किया गया था, विदेश में नहीं अपने कार्यालय में, मैंने उस सवाल को इसी सदन में उठाया था और उस समय के प्रधान मंत्री जी ने उनकी नियुक्ति को निरस्त कर दिया था। मैं समझता हूं कि उनके बारे में कुछ कहना मेरे लिए उचित नहीं है। इसलिए हमारे विदेश मंत्री और प्रधान मंत्री जी जो भी उचित समझें, उनकी अनिवार्यता के ऊपर या उनकी कुशलता के ऊपर, अगर सदन को और देश को सूचित करना चाहें, तो शंका का निवारण हो सकता है, अन्यथा इस शंका से बुरी भावना लोगों के मन में हो रही है।

श्री माधवराव सिंधिया (गुना) : उपाध्यक्ष महोदय, इस विाय पर माननीय सोमनाथ चटर्जी जी के जो विचार हैं, उन विचारों से हम पूरी तरह से अपने आपको सम्बद्ध करना चाहते हैं। निश्चित रूप से इस नियुक्ति पर एक बहत बड़ा प्रश्नचिह्न लगा है और इससे सन्देह का वातावरण बना है। देश के घरेलू मामलों में हमारी िवचारधारा भिन्न हो सकती है, लेकिन जब कभी विदेश नीति की बात आती है, तो चाहे सत्तारूढ़ दल हों या विपक्षी दल हों, सबने यह प्रयास किया है कि एक जुटता के साथ एकता की छवि को प्रस्तुत करें। लेकिन हम देख रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल की ओर से, सरकार की ओर से, अपनी व्यक्तिगत विचारधारा को सिर्फ देश में ही नहीं प्रसारित करने का प्रयत्न किया जा रहा है, बल्कि राजदूत द्वारा, हमारी एम्बैसीज द्वारा विदेशों में भी इसको प्रसारित करने का प्रयत्न किया जा रहा है। इससे बहुत कुछ नुकसान भारत की छवि को होगा। सिर्फ हम ही इसके बारे में चिन्तित नही हैं, विदेशों में भी जो भारतीय मूल के निवासी हैं, उनके कई फैक्स और पत्र हमें आ रहे हैं। नमूने के तौर पर श्री सुरेन्द्र मल्होत्रा, जो इंडियन नेशनल ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं, द्वारा भेजा गया फैक्स और उनके जो विचार हैं, उनको उसी रूप में

मैं सदन में रखना चाहता हूं -

> "There are 1.7 million Indians living in the United States. We, Indians, are very successful professionally, economically and are active in political processes of the USA from State politics to the level of the White House."
>
> "We, Indians living in the US, always try to project India as a secular country in spite of the communal and fundamentalist forces working against us. It pains me to bring to your kind attention an appointment of a member of the Sangh Parivar and RSS as Ambassador-at-large for NRIs by the Government of India. How a communally biased man can be the representative for the secular minded *Diaspora* of Indians who hold the majority in the US is puzzling."

उपाध्यक्ष जी, यह बहुत ही आपत्तिजनक कार्यवाही की गई है और इस पर निश्चित रूप से मैं अपने आपको और अपनी पार्टी को पूर्ण रूप से श्री सोमनाथ चटर्जी के साथ सम्बद्ध करना चाहता हूं, इससे हमारे राजदूत की स्थिति कमजोर होगी। उनके और हमारी पूरी एम्बेसी के बारे में जहां तक यूएसए एडमिनिस्ट्रेशन का सवाल है, वहां एक असमंजस की स्थिति पैदा हो जाएगी। इसलिए इस पर निश्चित रूप से पुनर्विचार हो और इस नियुक्ति को समाप्त किया जाए। सामान्य तौर से दूसरे देशों में जो प्रक्रिया चलती है, उसी के मुताबिक हमारा एक राजदूत रहे, यही आपके द्वारा हम सरकार से मांग करते हैं।â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE: Mr. Deputy-Speaker, Sir, is there any response from the Government on this matter? ...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Mr. Deputy-Speaker, Sir, this is a very important issue raised by the hon. Members. ...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): Mr. Deputy-Speaker, sir, the Minister cannot selectively respond to matters raised in this House. â€¦ (*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, is the Minister not kept in confidence by the Government on this matter? ...(*Interruptions*) Let the Minister stand up and say something.

श्रीमती भावनाबेन देवराजभाई चिखलिया (जूनागढ़) : महोदय, हर किसी को कोई भी विचारधारा मानने का अधिकार है। इस तरह ये कैसे बोल सकते हैं।â€¦ (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : उपाध्यक्ष जी, इतने बड़े-बड़े माननीय सदस्यों ने इसमें हिस्सा लिया है। पहले तो मेरा यह कहना है कि शून्य-काल में जो विाय उठाया जाता है, उसकी मुझे पूर्व सूचना नहीं होती। अगर मैं कहूं तो कुछ लोग बुरा मानेंगे। जब प्रथम श्रेणी के नेता बोलने के लिए उठते हैं तो उसकी पूर्व सूचना आपको भी नहीं होती।â€¦ (व्यवधान) मैं यह कह रहा हूं कि कम से कम दस बजे के पहले अगर सूचना आ जाए तो उसकी कापी मेरे पास आ जाती है। मैं सरकार से उसकी प्रतिक्रिया जान सकता हूं।â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, we are not expected to send a copy to the Minister. It may be an arrangement between the Secretariat and the hon. Minister.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, he has to listen to me. He cannot interrupt me every time. ...(*Interruptions*) I did not say that he should send me a copy. ...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL : Sir, why is the Minister getting agitated? ...(*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, they ask me to respond, but they are not even allowing me to utter two sentences. ...(*Interruptions*) I was sitting quiet here. They asked me to stand up. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let us hear him....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please hear the hon. Minister....(*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : महोदय, मैं चुप बैठा था, आपने मुझे उठने के लिए कहा और उठने के बाद मैं बोल रहा हूं। â€¦ (व्यवधान) बापू जी, हम बरसों साथ रहे हैं। अब गुस्से पर अगर आप बोलने लगे कि गुस्सा कम करो तो सारे गुजरात में हास्य की लहर फैल जाएगी।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष जी, आदरणीय सोमनाथ जी मुझे कोई पत्र लिखें, मैं यह नहीं कह रहा था। मैंने यह कहा भी नहीं, आप गुस्सा कर रहे हैं। मैंने आपसे नहीं मांगा था, लेकिन जब भी दस बजे अध्यक्ष जी को सूचना दी जाती है तो उसकी एक प्रति मेरे पास आती है। मुझे सूचना दें, मैंने यह कभी नहीं कहा। आपको इसमें आपत्ति क्या थी। जब सूचना आती है तो कम से कम मुझे कुछ समय मिलता है। जैसे मैंने कहा कि अब यह नयी पद्धति शून्य-काल में शुरू हुई है कि शून्य-काल में सीधे स्पीकर को नोटिस देने के पहले खड़े हो जाते हैं।â€¦ (व्यवधान) अब यह एक और नयी पद्धति आई है। â€¦ (व्यवधान)

श्री माधवराव सिंधिया : आप मुद्दे पर आइए।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : इतनी जल्दी क्या है, थोड़ी देर में आऊंगा।â€¦ (व्यवधान) फिर उसमें चेन रिएक्शन शुरू हो जाता है तो मामला और गंभीर हो जाता है।â€¦ (व्यवधान)

श्री माधवराव सिंधिया : आप मूल मुद्दे का जवाब दीजिए, आप कहां घूम रहे हैं।

श्री प्रमोद महाजन : सिंधिया जी, मुद्दा घूम-घूम कर आया है।â€¦ (व्यवधान)

SHRI KIRTI JHA AZAD (DARBHANGA): Mr. Deputy-Speaker, Sir, those who do not give notice should not be allowed to speak in 'Zero Hour". ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Kirti Jha Azad, please allow the Parliamentary Affairs Minister to reply....(*Interruptions*)

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) : महोदय, हमें एक हफ्ता नोटिस दिए हुए हो गया है।

SHRI KIRTI JHA AZAD: Those who do not give a notice should not be given a chance to speak. ...(*Interruptions*)

श्री प्रमोद महाजन : आप मुझे इंट्रप्ट कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Sir, Shri Kirti Jha Azad was an off-spinner. I have never seen him bowling so fast.

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, he is trying to hit 'sixers'. He is not bowling. ...(*Interruptions*)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक) : उन्होंने गुगली मारी है।â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : उपाध्यक्ष जी, भारत सरकार ने जो भी नियुक्तियां की हैं वे पूर्णतः नियमों के अनुसार की हैं। उसमें उसने कोई गलती नहीं की है। राट्रीय स्वयं सेवक संघ का सदस्य होना कोई अपराध नहीं है।

12.36 hrs.

(तत्पश्चात् श्री मुलायम सिंह यादव, श्री सोमनाथ चटर्जी, श्री माधवराव सिंधिया तथा कुछ अन्य माननीय सदस्य सभा से बाहर चले गए।)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Let us hear him.

श्री प्रमोद महाजन : उपाध्यक्ष जी, राट्रीय स्वंय सेवक संघ का सदस्य होना कोई अपराध नहीं है। अगर कोई सरकारी नौकरी हो, उसमें प्रतिबंध हो तो समझ में आता है। अगर हिंदुस्तान का प्रधान मंत्री, गृहमंत्री और स्वंय मैं उसका सदस्य हो सकता हूं तो कोई और नियुक्ति जो पूर्णतः राजनैतिक नियुक्ति है उसमें कोई राट्रीय स्वंय सेवक संघ का सदस्य हो तो उसमें मुझे कोई अपराध नहीं लगता है। सरकार ने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने नाम नहीं लिया लेकिन जिस व्यक्ति की ओर इशारा किया गया है उस व्यक्ति को मैं जानता हूं। वार्ों से वह अमरीका में रहकर भारत की सेवा कर रहे हैं और अगर वह भारत की प्रतिमा को उज्ज्वल बनाने के लिए सेवा करना चाहते हैं और उसका कोई निर्णय लिया गया है तो भारत सरकार ने कोई गलती नहीं की है। इस निर्णय में किसी प्रकार का बदलाव नहीं है। उनको जो भी काम दिया गया है वह उसको जरूर करेंगे।